[Shri Ramavatar Shastri]

sector drug industries for the benefit of the people. I hope, the Government will take appropriate steps in this regard.

(iii) **Demand for Home Minister's directing the Madhya Pradesh administration to stop surrender of dacoits in the State.**

श्री बाबू राव परांजपे (जबलपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, मध्य प्रदेश अनेक वर्षों से डाकुओं का चरागाह बना है। डाकू गिरोह राजस्थान एवं उत्तर प्रदेश आदि में डाके, खून जैसे जघन्य अपराध कर, शान के साथ मध्य प्रदेश में रहते हैं। जब अन्य प्रदेशों में पुलिस से खतरा पैदा हो जाता है तब आत्म समर्पण का नाटक, मध्य प्रदेश मे होता है।

पिछले वर्ष में दो महत्वपूर्ण आत्मसमर्पण दस्यु सरदार मलखान सिंह तथा दस्युरानी फूलन के गिरोह के हैं।

आजकल मध्य प्रदेश के जेलों में इन डाकुओं को, अच्छे से अच्छा खाना तथा आराम एवं ऐश की सभी सुविधाएं प्राप्त हैं। इन का जीवन राजनैतिक बंदियों से कहीं अधिक अच्छा है।

दस्यु सरदार रमेश शिकरवार का गिरोह अनेक वर्षों से, अनेक प्रदेशों में जघन्य अपराध कर रहा है। सिर्फ मध्य प्रदेश में अभी तक 25 हत्याएं, 31 अपहरण के प्रकरण पुलिस में दर्ज हैं। प्रत्येक अपहरण में लाखों रुपये की फिरौती वसूली जाती है। फिरौती न मिली तो अपहृतों को मार डाला जाता है। शासन प्रतिदिन एक लाख रुपया इस गिरोह पर खर्च करता है। पन्द्रह सौ पुलिस जवान इस कार्य में लगे हैं। ऐसा शासन का दावा है। परन्तु वास्तविकता कुछ और है।

इन अन्तर्प्रदेशीय डाकू गिरोहों के, इस प्रकार के आत्मसमर्पण के नाटक मध्य प्रदेश के अन्दर बन्द होने चाहिए। अतएव गृह मंत्री जी से अनुरोध है कि मध्य प्रदेश शासन को आदेश देकर आत्म समर्पणों को रोकें, डाकुओं का मनोबल तोड़ें तथा आम जनता को राहत दें।

(iv) **Need for a Railway Station at Bathna in Sealdah Division**

SHRIMATI BIBHA GHOSH GOSWAMI (Nabadwip). Sir, there is genuine need for a Railway Station at Bathna in between Phulia and Santipur stations on Ranaghat-Santipur section of Eastern Railway, Sealdah Division. The people of Bathna and sixteen other villages in the vicinity have been representing their case since 1979. Around 30,000 people, many of whom are regular passengers, having to cover a distance of 4/5 K. M. to catch a train in all weather, will be benefited by the station. The span between Phulia and Santipur is, perhaps, the longest on the Sealdah-Santipur line and public demand for the station is fully justified. Public meetings, bicycle processions, public conventions attended by Members of Legislative Assembly, Zila Parishad, Panchayat Samities and Village Panchayats concerned have been held over the years to voice the urgency of the need. Village people have agreed to donate the required land for construction of Railway Station, staff quarters etc. On 22-5-81 the D.R.M., Sealdah had assured a deputation of Santipur Sakha Railway Yatri Samity that there would be a flag Station at Bathna. But despite several inspections, spot surveys and a reported blue-print, nothing has happened till date. Railways, as a public utility service, should take cognisance of the long-standing need and introduce a station at Bathna without further delay.

SHRI CHITTA BASU (Barasat) : This is very important. I support her.